युवा जीवन

जनवरी 2026

दुनिया के पीछे भागना छोड़ो
और अपना हृदय परमेश्वर की ओर मोड़ो

मांगो, खोजो, और खटखटाओ..!

प्रस्तावना

यीशु मसीह के अनमोल नाम में आपको हार्दिक अभिनन्दन!

मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर की स्तुति करता हूँ, जिन्होंने पिछले पूरे साल अपनी आँखों की पुतली की तरह आपकी रक्षा की, आपको मज़बूत किया, आपको सामर्थ दिया, और अपनी महिमा के लिए अनुग्रह से आपका इस्तेमाल किया।

साल-दर-साल, प्रभु ने विश्वासयोग्यता से आपका मार्गदर्शन किया है—जैसा कि उन्होंने वादा किया था। इन आखिरी समय में उठने के लिए बुलाई गई पीढ़ी के रूप में, आपको भी याकूब की तरह परमेश्वर के साथ मल्लयुद्ध करना चाहिए और उनसे वे सभी आशीषें प्राप्त करनी चाहिए जो वह आपके लिए चाहते हैं। ऐसा हृदय विकसित करें जो परमेश्वर के लिए महान काम करने की इच्छा रखता हो। उनका अनुग्रह, उनकी सामर्थ और उनके वरदान प्राप्त करें, और पूरे मन से उनकी सेवा करें।

जैसा कि मत्ती 7:7 में कहा गया है: "मांगो, तो तुम्हें दिया जाएगा; ढूंढो, तो तुम्हें मिलेगा; खटखटाओ, तो तुम्हारे लिए खोला जाएगा।"

हमें क्या मांगना चाहिए?

एलीशा ने कुछ अनोखी चीज़ मांगी—आत्मा का दुगुना भाग। उसकी आध्यात्मिक आँखें इतनी तेज़ थीं कि वह उस आत्मा को महसूस कर सकता था और उसकी इच्छा कर सकता था जो एलियाह पर थी।

हमें क्या ढूंढना चाहिए?

वह ढूंढो जो ऊंचा है—जो अनंत है। दुनिया के भ्रमों और क्षणिक सुखों के पीछे मत भागो और दुश्मन द्वारा बिछाए गए जालों में मत फँसो। जैसे मूसा ने पाप के क्षणिक सुखों को ठुकरा दिया और इसके बजाय परमेश्वर की इच्छा को ढूंढना और परमेश्वर के लोगों के साथ खड़ा होना चुना, वैसे ही आपको भी अपना मन परमेश्वर के राज्य की चीज़ों पर लगाना चाहिए।

हमें किस लिए खटखटाना चाहिए?

विश्वास से खटखटाओ ताकि तुम्हारे सामने बंद हर सुसमाचार का दरवाज़ा खुल जाए। हालाँकि यरीहो के फाटक कसकर बंद थे, लेकिन यहोशू में विश्वास की भावना ने उसे आगे बढ़ने की सामर्थ दी। जब इस्राएल की पूरी मंडली ने एकता में काम किया, तो यरीहो का किला गिर गया और पूरी तरह से नष्ट हो गया।

मेरे प्रिय बेटे/बेटी, अगर तुम मांगोगे, तो परमेश्वर तुम्हें राष्ट्र भी दे सकते हैं। तुम यहोशू की पीढ़ी हो—ऐसा हृदय रखिये जो परमेश्वर द्वारा वादा किए गए हर क्षेत्र का वारिस बनने के लिए तैयार हो। यीशु के प्रेम की घोषणा करने की ज्वलन्त इच्छा के साथ आगे बढ़ो—अपने स्कूल से लेकर अपने कॉलेज तक, और यहाँ तक कि यूनिवर्सिटी के हॉल तक।

तुम्हारे लिए, परमेश्वर अपने वरदान उन्डेलेंगे।
परमेश्वर नए दरवाज़े खोलेंगे।
और जब तुम उसे ढूंढोगे, तो तुम्हें नए रास्ते मिलेंगे!

मसीह के मिशन में
मोहन सी. लाजरस

JESUS REDEEMS MINISTRIES

यीशु छुड़ाता है – दर्शन और मिशन

सेवकाई दर्शन (2021–2030)

JESUS REDEEMS MINISTRIES

VISION 2030

50 CRORE GOSPEL

5 CRORE SOULS

जीसस रिडीम्स सेवकाई में हमारा मुख्य दर्शन साहसिक है और विश्वास पर आधारित है: अगले दस सालों (2021–2030) में, 50 करोड़ लोगों को सुसमाचार सुनाना, 5 करोड़ लोगों को उद्धार दिलाना, और उन्हें स्वर्ग के राज्य का नागरिक बनते देखना है। यह सिर्फ़ एक लक्ष्य नहीं है—यह परमेश्वर द्वारा दिया गया एक आदेश है कि यीशु मसीह के जीवन बदलने वाले संदेश से पीढ़ियों पर असर डाला जाए।

यूथ मिनिस्ट्री दर्शन

दर्शन

हमारे युवा आंदोलन की धड़कन यह है: अगले दस सालों में, 8 करोड़ युवाओं तक सुसमाचार पहुँचाना और 80 लाख जोशीले, समर्पित युवाओं को प्रभु के लिए एक जोशीली सेना के रूप में तैयार करना—ऐसे युवा लड़के और लड़कियाँ जो मिशन पर जीते हैं, मसीह के लिए बिना शर्म के खड़े रहते हैं, और समाज के हर क्षेत्र में उनकी रोशनी फैलाते हैं। यह एक उभरती हुई पीढ़ी है।

यह पुनर्जागृति गतिशील है।

Revival IGNITERS

मासिक संगति

प्रभु के लिए युवाओं की एक जोशीली सेना तैयार करने और उन्हें उठने और साहस के साथ उसकी सेवा करने के लिए तैयार करने के लिए, इग्नाइटर्स मासिक यूथ सभा हर महीने 41 जगहों पर आयोजित की जा रही है—तमिलनाडु में 36 और महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में 5 जगहों पर।

हर महीने, जब इग्नाइटर्स इन सभाओं में इकट्ठा होते हैं, तो उन्हें आध्यात्मिक सामर्थ और भीतर से नयापन मिलता है। सशक्त और उत्साहित होकर, वे अपने गाँवों में लौटते हैं और साहस के साथ सुसमाचार साझा करते हैं, और गहरे जुनून के साथ मसीह के लिए आत्माओं को जीतते हैं।

हर महीने, लगभग 1600 इग्नाइटर्स एक साथ प्रार्थना करने, बढ़ने और जहाँ भी वे जाते हैं, वहाँ पुनर्जागृति की आग जलाने के लिए इकट्ठा होते हैं। हम प्रार्थना कर रहे हैं और 2026 में तेलंगाना और केरल में भी इन संगती सभाओं को शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं।

प्रार्थना

परमेश्वर द्वारा दिए गए दर्शन के आधार पर, यीशु छुड़ाता है यूथ मिनिस्ट्री के माध्यम से **8 करोड़ (80 मिलियन) युवाओं** तक सुसमाचार पहुँचाने, **80 लाख (8 मिलियन) युवाओं** को मसीह के लिए जीतने, और **80 लाख घंटे प्रार्थना** करने के लिए, परमेश्वर ने कृपापूर्वक हमें—**इग्नाइटर्स फेलोशिप, वॉरफेयर प्रेयर, ऑल-नाइट प्रेयर,** गूगल मीट प्रेयर, कॉन्फ्रेंस कॉल प्रेयर, और अन्य विभिन्न प्रार्थना पहलों के माध्यम से—**सिर्फ़ वर्ष 2025 में 5,79,096 घंटे प्रार्थना में बिताने में सक्षम बनाया।**

इसके साथ ही, परमेश्वर हमें हमारी पीढ़ी में पुनर्जागृति के दर्शन को पूरा होते देखने के गहरे बोझ के साथ, पुनर्जागृति के लिए गंभीरता से प्रार्थना करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

सारी महिमा सिर्फ परमेश्वर को मिले!

खोया, पाया, और पूर्ण इस्तेमाल किया गया!!

ऐसी दुनिया में जहाँ कई पासवान लोकप्रियता और पहचान पाने की कोशिश करते हैं, वहाँ ऐसे लोग कम ही मिलते हैं जो जोश से चाहते हैं कि उनके जीवन के ज़रिए परमेश्वर की पूर्ण उपस्थिति प्रकट हो। आज, हम ऐसे ही एक सेवक के जीवन की सामर्थी गवाही सुनने वाले हैं—एक ऐसा व्यक्ति जिसकी सेवा के ज़रिए परमेश्वर की उपस्थिति उन गानों के माध्यम से बहती है जो वह गाता है। गाने सिर्फ़ लिखे नहीं जाते; वे परमेश्वरीय प्रेरणा से मिलते हैं। लोगों तक ये परमेश्वर-प्रदत्त गाने पहुँचाने के अलावा, वह विश्वास के साथ चर्च में एक चरवाहे के रूप में भी सेवा करते हैं। आइए अब सुनें कि पास्टर डेविड सैम जॉयसन स्वयं अपने विश्वास, बुलाहट और अनुग्रह की यात्रा के बारे में बताते हैं।

हमें अपने बचपन और पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में बताएं।

मेरा जन्म कन्याकुमारी (नागरकोइल) ज़िले में पास्टर जॉयसन और बहन लिज़ी बाई के पाँचवें बेटे के रूप में हुआ था। मेरे तीन बड़े भाई और एक बड़ी बहन है। मेरे दूसरे भाई का नाम जॉनसम जॉयसन है। मेरे जन्म से पहले ही, एक स्वर्गदूत मेरी माँ के सामने प्रकट हुआ और उसने बताया कि डेविड नाम का एक बच्चा पैदा होगा—परमेश्वर के वायदे के अनुसार, मैं इस दुनिया में आया।

एक पासवान के परिवार में पले-बढ़े होने के कारण, मुझे बहुत कम उम्र से ही आध्यात्मिक अनुशासन सिखाया गया। मैंने सिर्फ़ चार साल की उम्र में तबला बजाना शुरू कर दिया था। मेरे माता-पिता ने मुझे जल्दी ही एक तबला खरीद दिया और मुझे चर्च में बजाने के लिए प्रोत्साहित किया। 10वीं कक्षा तक, हमें आध्यात्मिक विकास और सांसारिक शिक्षा दोनों के स्वस्थ संतुलन के साथ पाला-पोसा गया।

एक पासवान के परिवार से होने के कारण, लोग मानते हैं कि आप हमेशा बहुत आध्यात्मिक थे। आपका युवा जीवन असल में कैसा था?

जब मैं 10वीं कक्षा में पढ़ रहा था, तो मेरे सभी मित्र बपतिस्मा ले रहे थे। मैंने सोचा, "अगर मैं बपतिस्मा नहीं लूँगा, तो लोग बातें करेंगे—आखिरकार, मैं एक पास्टर का बेटा हूँ।" इसलिए, मैं उनके साथ शामिल हो गया और बपतिस्मा ले लिया, लेकिन मैंने अभी तक सच्चे उद्धार का अनुभव नहीं किया था।

उसके बाद, मैं धीरे-धीरे आध्यात्मिक रूप से दूर होता गया। मैं अपनी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पा रहा था। मैं मित्रों के खाने-पीने पर खूब पैसे खर्च करता था, लेकिन मेरी कोई गंभीर बुरी आदतें नहीं थीं। मैं चर्च में सक्रिय था और मुझे सौंपी गई सभी ज़िम्मेदारियाँ निभाता था, फिर भी परमेश्वर और मेरे बीच कोई सच्चा रिश्ता नहीं था।

जब तक मैं 12वीं कक्षा में पहुँचा, तब तक मैं बुरी तरह से भटक चुका था। मैंने अपनी बोर्ड परीक्षा बहुत कम अंकों से पास की—यह मेरे प्रयासों की वजह से नहीं, बल्कि पूरी तरह से मेरे माता-पिता की प्रार्थनाओं की वजह से

हुआ। क्योंकि मैंने 11वीं क्लास में ही इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई शुरू की थी, इसलिए पढ़ाई बहुत मुश्किल लगती थी। क्योंकि मेरे परिवार में सभी ने इंजीनियरिंग की थी, इसलिए मैंने भी वही किया और अपने नंबरों के हिसाब से जैसे-तैसे एक कॉलेज में बी ई(BE) कोर्स में एडमिशन ले लिया।

कॉलेज के दौरान आपने सच्चा उद्धार कैसे अनुभव किया?

कॉलेज के तीसरे वर्ष तक, मेरी ज़िंदगी अभी भी भटकी हुई थी। एक दिन, एक करीबी मित्र ने मुझे बिठाया और पूछा,

"डेविड, क्या तुम्हें एहसास भी है कि तुम किस रास्ते पर हो? क्या तुम्हें पता है कि तुम किसके बेटे हो? क्या तुम समझते हो कि परमेश्वर ने तुम्हारी ज़िंदगी के लिए क्या योजना बनाया है?"

उसने मुझे पहले भी कई बार सलाह दी थी, लेकिन किसी भी बात का मुझ पर कोई असर नहीं हुआ था। वह दिन अलग था। मेरा हृदय टूट गया। आँसू बेकाबू होकर बहने लगे। बात करने के बाद, उसने बस इतना कहा, "डेविड, अपनी ज़िंदगी का ख्याल रखना। परमेश्वर तुमसे प्रेम करते हैं," और चला गया।

मैं रोना बंद नहीं कर पा रहा था। मैं अपने कमरे में गया, घुटनों के बल बैठ गया, और ऊँचे शब्द से कहा, "प्रभु, मुझे माफ़ कर दो।" उस दिन—जब मैंने पूरी तरह से अपनी ज़िंदगी परमेश्वर को सौंप दी—वही दिन था जब मैंने सच में उद्धार का अनुभव किया। मैं अपने माता-पिता के पास गया और उनसे माफ़ी माँगी।

मेरे पाँचवें सेमेस्टर तक, मैं कुछ पेपर में फेल हो गया था। लेकिन अपनी ज़िंदगी परमेश्वर को सौंपने के बाद, मैं अपने सभी विषयों में पास हो गया। उसी पल से, मेरी आध्यात्मिक ज़िंदगी बदलने लगी। अपना अंतिम वर्ष पूरा करने से पहले ही, परमेश्वर ने मुझे सेवकाई के लिए बुलाया।

अद्भुत! क्या आपने बुलावा मिलने के तुरंत बाद सेवकाई में कदम रखा?

नहीं। सच कहूँ तो, मैं पहले नौकरी करना चाहता था। उस समय, अपने पिता के साथ केरल जाते समय, प्रभु ने मुझसे साफ़-साफ़ कहा:

"मैंने तुम्हें चुना है, और तुम्हारे ज़रिए मेरी महिमा होगी।"

वापस आते समय, मैंने परमेश्वर से एक चिन्ह माँगा। मैंने प्रार्थना की कि मैं इंटरव्यू दूँ, अपॉइंटमेंट लेटर मिले, और फिर सेवकाई में कदम रखूँ। जैसा मैंने प्रार्थना की, 60 उम्मीदवारों वाले एक इंटरव्यू में—जहाँ सिर्फ़ 5 लोगों को चुना जाना था—मैं सभी स्तर पास कर गया। हालाँकि दूसरे लोग ज़्यादा कुशल थे और इंग्लिश में ज़्यादा सहज थे, फिर भी मुझे बैंगलोर में नौकरी के लिए अपॉइंटमेंट लेटर मिला। जिस पल मैंने वह चिट्ठी अपने हाथों में ली, मैंने उसे वापस परमेश्वर को सौंप दिया, स्वयं को पूरी तरह से सेवकाई के लिए समर्पित कर दिया, और तीन साल के लिए बाइबिल कॉलेज में एडमिशन ले लिया।

बहुत बढ़िया! हमें अपनी सेवकाई की यात्रा के बारे में बताएं।

शुरुआत में, मैं अपने पिता के साथ सेवकाई के लिए यात्रा करता था और कभी-कभी गाने गाता था। बाद में, मैंने अपने भाई के साथ सेवा की। लॉकडाउन के दौरान, परमेश्वर ने मुझे और ऊँचे स्तर से इस्तेमाल करना शुरू किया। उसके अनुग्रह से, मुझे परमेश्वर के जाने-माने सेवकों के साथ सेवकाई करने के मौके मिले।

अभी, मैं फुल गॉस्पेल पेंटेकोस्टल चर्च में पास्टर के तौर पर सेवा करता हूँ। 2016 में, परमेश्वर ने मुझे "विट्टुक कोडुक्काधवर" (वह जो कभी साथ नहीं छोड़ता) गाना दिया। इसके बाद "मैंने खुद को यह कहते हुए सौंप दिया कि मैं कुछ नहीं कर सकता - प्रभु, हमारे जीवन में चमत्कार करो" जैसे गाने आए। जैसे-जैसे इन गानों के ज़रिए गवाहियाँ आने लगीं, मेरा विश्वास और ताकत और भी बढ़ गई। सिर्फ़ परमेश्वर के नाम की महिमा हुई।

कृपया अपनी वैवाहिक जीवन के बारे में बताएं।

एलिस और मेरी शादी 2016 में हुई थी। पहले साल, हमने बच्चों के बारे में ज़्यादा नहीं सोचा। बाद में, लोगों की कुछ बातों से हमें बहुत दुख हुआ—विशेषतः मेरी पत्नी को। हमें अपनी

शारीरिक हालत के बारे में पता था, लेकिन परमेश्वर के वायदे, "मैं तुम्हारी संतानों को आशीष दूँगा," ने हमें मज़बूत किया।

मेरी पत्नी ने अटूट विश्वास के साथ प्रार्थना की। जुलाई 2022 में, परमेश्वर ने हमें एक बेटे, आईसक सैम जॉयसन का आशीर्वाद दिया, यह साबित करते हुए कि वह अपने वायदे के प्रति वफ़ादार हैं। आज, हमें दो बेटों और एक बेटी की आशीष मिली है। जैसा कि उन्होंने वायदा किया था, परमेश्वर हमारी पीढ़ी को आशीष देना जारी रखे हुए हैं और हमारे परिवार का इस्तेमाल अपनी महिमा के लिए कर रहे हैं।

आप युवाओं के साथ क्या संदेश बांटना चाहेंगे?

जवानी परमेश्वर के साथ अच्छा समय बिताने का सबसे ज़रूरी समय है। जब आप इस दौर में स्वयं को पूरी तरह से उनके हवाले कर देते हैं, तो वह आपका सामर्थी तौर से इस्तेमाल करेंगे।

अगर परमेश्वर मुझ जैसे किसी व्यक्ति को माफ़ कर सकते हैं, ठीक कर सकते हैं, और इस्तेमाल कर सकते हैं—जो एक पासवान का बेटा होने के बावजूद ऐसी ज़िंदगी जीता था जो उन्हें पसंद नहीं थी—तो आज आप कहीं भी हों, आप कितने भी दूर चले गए हों, परमेश्वर आपको माफ़ करने, स्वीकार करने और इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं।

प्रिय युवा मित्रों, वही परमेश्वर जिसने एक मित्र की बात से डेविड सैम को बदल दिया, उन्हें अपनी सेवा में बुलाया, और आज उन्हें एक पास्टर और वर्शिप लीडर बनाया, वही आपके लिए भी कर सकते हैं। अगर आप टूटा हुआ, बेकार, या नाकाबिल महसूस करते हैं—तो अपनी ज़िंदगी यीशु को सौंप दें। वह आपको कभी किसी और के हवाले नहीं करेंगे। वह आपको अपने हाथों में लेंगे और आपकी ज़िंदगी को मायने देंगे।

Revival IGNITERS

इग्नाइटर्स यूथ फ़ेलोशिप एक जगह है जहां युवा अपनी आध्यात्मिकता को प्रज्वलित करते हैं जीवन की गहन सच्चाइयों की खोज करें बाइबल, और प्रार्थना करने में शक्ति पाएँ एक समूह के रूप में देश।आपका स्वागत है इस फ़ेलोशिप में शामिल होने और बढ़ने के लिए मज़बूत। चलो भी! अपने आप को मजबूत करो,और दुसरों को मजबूत करने के लिए तैयार हो जाइये !

हर पहले रविवार
Mumbai – Dharavi
Timing: 5.00 PM- 7.30 PM
World Revival Prayer Centre
2nd Floor, Above Balakrishna
Farsan Mart, Opp. Apna Restaurant,
Near Kamarajar School,
90 Feet Road,
9004882470

हर दुसरे रविवार
MULUND
Timing: 5PM - 7:30PM
Shekinah NLA Church,
Vijay Nagar, Near Vani
Vidyalaya School, Mulund-West
9004882470

हर चौथे रविवार
Mumbai-Malad
Timing: 4.00 PM – 6.00 PM
Bethel Ground Floor
305/E, Mith Chauky,
Marve Road,
Malad (W)
9664050567 | 9619996976

पत्रिका सेवकाई

2009 से, वलीबार उलगम एक मासिक युवा पत्रिका के रूप में प्रकाशित हो रही है, जो प्रिंट और डिजिटल दोनों प्लेटफॉर्म के ज़रिए युवाओं तक पहुँच रही है। हर महीने लगभग 19,000 प्रतियाँ तमिल, अंग्रेजी, हिंदी और मलयालम में छापी जाती हैं और डाक द्वारा युवाओं के घरों तक पहुँचाई जाती हैं।

यह पत्रिका तेलुगु और कन्नड़ में भी ऑनलाइन उपलब्ध है, जिसमें हर महीने 1,000 से ज़्यादा पाठक इसे डाउनलोड करके फायदा उठा रहे हैं। 2025 से, परमेश्वर के अनुग्रह से, यह पत्रिका बंगाली भाषा में भी अपलोड की गई है।

हम प्रार्थनापूर्वक इस साल दो और भाषाओं में विस्तार करने की योजना बना रहे हैं, और परमेश्वर पर भरोसा कर रहे हैं कि वे हमें अपने संदेश के साथ और भी ज़्यादा युवाओं तक पहुँचने में मदद करेंगे।

मांगो, ढूंढो, खटखटाओ...

जब भी हम प्रभु यीशु मसीह द्वारा किसी खास वर्ष के लिए दिए गए वायदे पर भरोसा करके प्रार्थना करते हैं, तो वह उस वायदे की आशीषों को हमारे जीवन में पूरा करने के लिए हमेशा वफादार रहते हैं।

साल 2025 के लिए, प्रभु ने वायदा किया, "डरो मत! मैं, प्रभु, तुम्हारे पास आऊंगा और तुम्हें आशीष दूंगा" (निर्गमन 20:24)। जब मैंने अनगिनत गवाहियां देखीं कि कैसे प्रभु ने व्यक्तिगत रूप से लोगों से मुलाकात की और ठीक वैसे ही चमत्कार किए जैसा उन्होंने वादा किया था, तो मेरा दिल परमेश्वर की स्तुति से भर गया।

जब मैं 2026 के वर्ष के वायदे के लिए उपवास के साथ परमेश्वर की उपस्थिति में इंतजार कर रहा था, तो प्रभु ने साफ-साफ कहा:

"अगर तुम मुझसे मांगोगे, तो मैं तुम्हें दूंगा। अगर तुम प्यासे हृदय से मुझे ढूंढोगे, तो मैं खुद को तुम्हारे सामने प्रकट करूंगा। अगर तुम मेरे हृदय का द्वार खटखटाओगे, तो वह तुम्हारे लिए खोल दिया जाएगा" (मत्ती 7:7)।

आइए हम इस साल के लिए परमेश्वर द्वारा दिए गए वायदे में छिपी इन तीन सच्चाइयों पर मनन करें।

मांगो – और तुम्हें दिया जाएगा

"मांगो, और तुम्हें दिया जाएगा" (मत्ती 7:7)।

जब कुछ लोग प्रार्थना के लिए मेरे पास आते हैं और मैं पूछता हूं, "मुझे किस बात के लिए प्रार्थना करनी चाहिए?", तो कुछ लोग चुप रहते हैं। अगर वे नहीं बोलेंगे, तो कोई उनकी ज़रूरत कैसे जान सकता है और प्रार्थना कैसे कर सकता है? दूसरे कहते हैं, "परमेश्वर पहले से ही सब कुछ जानते हैं।" हां, परमेश्वर आपकी ज़रूरतें आपके मांगने से पहले ही जानते हैं – लेकिन फिर भी वह चाहते हैं कि आप उनसे मांगें।

जब यीशु पृथ्वी पर भलाई करते हुए फिर रहे थे, तो बरतिमाई नाम का एक अंधा व्यक्ति सड़क के किनारे भीख मांग रहा था। यह सुनकर कि यीशु वहां से गुज़र रहे हैं, उसने ज़ोर से पुकारा, "यीशु, दाऊद के पुत्र!" यीशु रुके और पूछा, "तुम क्या चाहते हो की मै तुम्हारे लिए करूँ?" जब बरतिमाई ने जवाब दिया, "प्रभु, मैं देखना चाहता हूं," तो यीशु ने एक चमत्कार किया और तुरंत उसकी आंखों की रोशनी लौटा दी (मरकुस 10:46–52)।

परमेश्वर सब कुछ जानते हैं, फिर भी वह हमसे उम्मीद करते हैं कि हम अपने मन की इच्छाओं को उनके सामने ज़ाहिर करें। इसीलिए प्रभु स्वयं कहते हैं, "मांगो, और तुम्हें दिया जाएगा।"

- दो अंधे आदमियों ने पुकारा, "दाऊद के पुत्र, हम पर दया करो!" और उन्हें उनकी आंखों की रोशनी मिल गई (मत्ती 9:27–30)।
- कोढ़ से पीड़ित एक व्यक्ति को चमत्कारिक रूप से चंगा किया गया (मत्ती 8:2–3)।

- एक सूबेदार का नौकर ठीक हो गया (मत्ती 8:5–13)।
- एक कनानी औरत की बेटी को दुष्टआत्मा के बंधन से पूरी तरह आज़ाद किया गया (मत्ती 15:22–28)।
- एक दुष्ट आत्मा से सताए हुए लड़के को आज़ाद किया गया (मत्ती 17:14–18)।

इसी तरह, जब आप विश्वास के साथ यीशु मसीह के नाम से मांगेंगे, तो प्रभु निश्चित रूप से आपके लिए चमत्कार करेंगे।

एक बहुत धार्मिक व्यक्ति था जो यीशु को नहीं जानता था। लगभग 15 सालों तक, वह और उसकी पत्नी बिना बच्चे के रहे, मज़ाक, अपमान और भावनात्मक दर्द से टूटे हुए। इलाज पर बहुत सारा पैसा खर्च करने और कई ईश्वरों पर भरोसा रखने के बावजूद, कुछ नहीं बदला। जब निराशा ने उन्हें घेर लिया, तो उन्होंने यीशु के बारे में सुना और "आओ, हम प्रार्थना करें" कार्यक्रम देखना शुरू किया।

एक दिन, गर्भ के फल के लिए प्रार्थना के दौरान, पति-पत्नी एक साथ रोए और प्रार्थना की, "यीशु, हमें एक संतान दो जिसे हम आपके लिए पालेंगे।" प्रभु ने उनकी प्रार्थना सुनी और उन्हें एक बच्चे की आशीष दी। उनका दुख खुशी में बदल गया; उनकी शर्म, दर्द और निराशा गायब हो गई, और उसकी जगह अपार खुशी ने ले ली।

वही प्रभु आज आपके लिए चमत्कार करने के लिए तैयार है। विश्वास के साथ उससे मांगें, क्योंकि यीशु ने स्वयं कहा है, "जो कोई मांगता है, उसे मिलता है" (मत्ती 7:8; लूका 11:10)।

ढूंढो – तो तुम पाओगे

"ढूंढो, तो तुम पाओगे" (मत्ती 7:7)।

प्रभु कहते हैं, "जब तुम मुझे पूरे मन से ढूंढोगे, तो तुम मुझे पाओगे... मैं तुम्हें मिलूंगा" (यिर्मयाह 29:13–14)।

2 इतिहास 7:14 में, प्रभु कहते हैं, "मेरे दर्शन के खोजी हों।" अक्सर, हम केवल परमेश्वर के आशीषों की तलाश करते हैं—जो उसके हाथ दे सकते हैं। लेकिन आशीषों से ज़्यादा, हमें स्वयं प्रभु की तलाश करनी चाहिए, जो उन्हें देता है।

दानिय्येल ने गवाही दी, "तब मैं अपना मुख प्रभु परमेश्वर की ओर करके गिडगिडाहट के साथ प्रार्थना और उपवास करने लगा" (दानिय्येल 9:3)।

यह सच है कि परमेश्वर लोगों से मिलता है। जब हम उसे पूरे मन से ढूंढते हैं, तो वह स्वयं को प्रकट करता है। लेकिन इसके लिए तैयारी की ज़रूरत है—एक प्यासा मन, सच्ची चाहत, और परमेश्वर की निस्वार्थ खोज। तब प्रभु निश्चित रूप से स्वयं को प्रकट करेंगे।

तमिलनाडु के रामनाथपुरम का एक जवान, हालांकि एक मसीही परिवार में पैदा हुआ था, लेकिन बिना विश्वास के रहता था और एक नास्तिक आंदोलन में शामिल हो गया था। उसकी ज़िंदगी शराब और सिगरेट में डूबी हुई थी। एक दिन, यीशु मसीह उससे मिले और स्वयं को व्यक्तिगत रूप से प्रकट किया। तुरंत, उद्धार की खुशी उसके हृदय में भर गई, और उसे पाप की आदतों से हमेशा के लिए छुटकारा मिल गया।

एक दिन, वह जवान स्वयं को एक कमरे में बंद करके गहरी चाहत से चिल्लाया, "चाहे कितना भी समय लगे, मुझे प्रभु को देखना ही है!" उपवास और घंटों प्रार्थना के साथ, उसने पूरे मन से परमेश्वर को खोजा।

अचानक, एक तेज़ रोशनी से कमरा भर गया। रोशनी के बीच बिजली जैसी एक चमकदार आकृति खड़ी थी। जैसे ही उसने ध्यान से देखा, यीशु मसीह उसे एक दर्शन में दिखाई दिए, स्वयं को प्रकट किया, और उसे एक नबी के रूप में अभिषेक भी किया। वह जवान आज हमारा प्यारा भाई, प्रोफेट विंसेंट सेल्वकुमार है, जो सामर्थी रूप से प्रभु की सेवा कर रहे हैं।

अगर हम भी पूरे मन से प्रभु को खोजेंगे, तो हम उन्हें पा लेंगे। यीशु मसीह इस धरती पर परमेश्वर पिता को हम पर प्रकट करने आए थे। इसलिए, हम उन्हें देख सकते हैं, उनसे मिल सकते हैं, और उनकी आवाज़ भी सुन सकते हैं।

खटखटाओ – और द्वार खोल दिया जाएगा

"खटखटाओ, और तुम्हारे लिए खोला जाएगा" (मत्ती 7:7)।

आज प्रभु आपसे कहते हैं, "मेरे बच्चे, अगर तुम खटखटाओगे, तो तुम्हारे लिए खोला जाएगा।"

यीशु ने इस सच्चाई को एक दृष्टांत से समझाया। एक व्यक्ति आधी रात को अपने मित्र के घर गया और दरवाज़ा खटखटाकर बोला, "मेरा एक मित्र भूखा आया है, और मेरे पास उसे देने के लिए कुछ नहीं है। कृपया मुझे तीन रोटियाँ उधार दे दो।"

हालांकि मित्र ने जवाब दिया, "मुझे परेशान मत करो। दरवाज़ा बंद है, मेरे बच्चे सो रहे हैं, और मैं उठ नहीं सकता," फिर भी उस मनुष्य की लगातार मांगने के कारण, वह उठा और उसे वह दिया जिसकी उसे ज़रूरत थी (लूका 11:5–8)।

इसी तरह, अगर आप खटखटाएंगे, तो दरवाज़ा खोल दिया जाएगा—न सिर्फ़ आपके लिए, बल्कि आपके मित्रों, रिश्तेदारों, पड़ोसियों, गाँव, शहर और यहाँ तक कि आपके देश के लिए भी। दूसरों के लिए प्रार्थना करना एक बहुत बड़ा सौभाग्य है और प्रभु को बहुत पसंद है।

परमेश्वर का वचन कहता है, "मैं आग्रह करता हूँ कि सभी लोगों के लिए विनती, प्रार्थना, मध्यस्थता और धन्यवाद किया जाए... यह अच्छा है और हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर को प्रसन्न करता है" (1 तीमुथियुस 2:1–3)। जब हम दूसरों का बोझ उठाते हैं और उनकी ओर से स्वर्ग का दरवाज़ा खटखटाते हैं, तो प्रभु निश्चित रूप से जवाब देंगे।

आज, प्रभु आपकी प्रार्थना का इंतज़ार कर रहे हैं।

जब हम पूरे मन से खटखटाते हैं, तो बंद दरवाज़े खुल जाएंगे। जैसे-जैसे हम प्रतिदिन परमेश्वर के वायदे को मानते हैं और धन्यवाद के साथ प्रार्थना करते हैं, हम दिन-ब-दिन चमत्कारों का अनुभव करेंगे।

विश्व जागृति प्रार्थना भवन

Our Branches

Mumbai (Dharavi)
World Revival Prayer Canter, T/1, Block No.11,
90 Feet Road, Rajiv Gandhi Nagar Dharavi, Mumbai - 400 017
Email: br.dharavi@jesusredeems.org, Ph: +91 8082410410

Mumbai (Malad)
World Revival Prayer Center, Bethel, Plot 305/E,
Mith Chowky Marve Road, Malad(w) Mumbai - 400064
Ph: +91 9664050567

Ranchi
World Revival Prayer Centre, Kadru Sarna Toli,
Near Argora Railway Station, Road no -1, Doranda P.O
Ranchi - 834 002, Jharkand,
Email: br.ranchi@jesusredeems.org, Ph: 9523336010

Chandigarh
World Revival Prayer Centre, SCO-19 1st Floor,
Ranjan Plaza Market, Opp. to motia Homes,
Zirakpur, Mohali Dt., Punjab- 140603
Email: br.chandigarh@jesusredeems.org, Ph:9417726492

Delhi
World Revival Prayer Centre, Plot no 152, Ground floor,
Pratap nagar,opposite harinagar bus depot, New Delhi - 110064
Email: br.delhi@jesusredeems.org, Ph: 011-25616253 / 35580428

Come and Pray

युवा जागृति सभा

यीशु छुड़ाता है यूथ मिनिस्ट्री के ज़रिए, 8 करोड़ युवाओं तक सुसमाचार पहुँचाने के विज़न के साथ, परमेश्वर युवाओं की एक जोशीली पीढ़ी तैयार कर रहा है जो यीशु का संदेश हर गाँव और हर शहर तक पहुँचाएगी।

इसी बोझ के साथ, तालुकों, गाँवों और ज़िलों से युवाओं को इकट्ठा किया गया, जहाँ दर्शन साफ़ तौर पर बताया गया और सेवा के लिए हृदयों में जोश भरा गया। परमेश्वर की अनुग्रह से, लगभग 6,339 युवाओं को सुसमाचार सेवा में साहस और मकसद के साथ कदम रखने के लिए प्रशिक्षित, तैयार और प्रेरित किया गया।

सारी महिमा सिर्फ़ परमेश्वर को मिले!

पुनर्जागृति सेना
(Fire Team)

प्रभु ने यीशु छुड़ाता है मिनिस्ट्री के ज़रिए यूथ रिवाइवल आर्मी बनाने का जो अलौकिक आदेश दिया था, उसके अनुसार, साल 2021 से, साढ़े तीन साल की अवधि में 26 युवाओं को विश्वास के साथ ट्रेनिंग दी गई है। आज, परमेश्वर अपनी महिमा के लिए उनका सामर्थी रूप से इस्तेमाल कर रहे हैं।

प्रभु ने जो वादा किया था— "मैं साधारण युवाओं के ज़रिए असाधारण काम करूँगा"—वह अब अपने समर्थि हाथ से पूरा कर रहे हैं।

सारी महिमा सिर्फ परमेश्वर को मिले!

पुनर्जागृति मिशनरी

तमिलनाडु और कर्नाटक राज्यों को सात ज़ोन में बाँटा गया है, जहाँ 38 रिवाइवल मिशनरी सक्रिय रूप से सेवा कर रहे हैं। वे गाँव-गाँव जाकर सुसमाचार सुनाते हैं, कलीसियाओं में सेवा करते हैं, पुनर्जागृति का संदेश देते हैं, और जोश से प्रार्थना करते हैं। उनकी सेवा के ज़रिए, परमेश्वर कई जीवित गवाहियाँ खड़ी कर रहे हैं।

फरवरी से जून 2024 तक, इन मिशनरियों को ट्रेनिंग दी गई, और जुलाई 2024 से नवंबर 2025 तक, उन्होंने सात ज़ोन में 180 गाँवों का दौरा किया, और 71,536 लोगों के साथ सुसमाचार साझा किया। परमेश्वर ने इन युवा मिशनरियों का इस्तेमाल 71 कलीसियाओं में पुनर्जागृति की ज़रूरत को बताने के लिए किया, और कई लोगों को आध्यात्मिक पुनर्जागृति और नवीनीकरण के स्पष्ट मार्ग की ओर मार्गदर्शन दिया।

युवा पर्व

परमेश्वर की अलौकिक योजना के अनुसार पुनर्जागृति की घोषणा करने और उसे जारी रखने के लिए, प्रभु ने अनुग्रहपूर्वक हमें 3 मई से 10 मई तक नालुमावडी टैबरनेकल ऑफ गॉड में 50 पुनर्जागृति पर्व आयोजित करने में सक्षम बनाया। हर सभा पुनर्जागृति और रूपांतर की एक साहसिक घोषणा थी।

इस पीढ़ी के लिए परमेश्वर के हृदय को पहचानते हुए, डेविड ऑडिटोरियम में सात सामर्थी दिनों तक एक विशेष यूथ रिवाइवल पर्व आयोजित किया गया। हर दिन एक अनोखा, अंतिम समय का पुनर्जागृति संदेश दिया गया, जिसे युवा जीवन में उद्देश्य, जुनून और प्रतिबद्धता जगाने के लिए तैयार किया गया था। औसतन, लगभग 600 युवाओं ने रोज़ाना भाग लिया।

सात दिनों के दौरान, 4,143 युवाओं ने लगातार भाग लिया। उनमें से, 242 युवाओं ने पहली बार यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। 240 युवा पुरुषों और महिलाओं को पवित्र आत्मा द्वारा नया अभिषेक किया गया और परमेश्वर के लिए साहसपूर्वक जीने के लिए भेजा गया। व्यक्तिगत परामर्श और प्रार्थना के माध्यम से, विभिन्न पापों और संघर्षों से बंधे 518 युवाओं ने पूरी आज़ादी और सफलता का अनुभव किया।

इसके अलावा, 6 मई को, टैबरनेकल ऑफ गॉड में शाम 6:00 बजे से 9:00 बजे तक एक विशेष शाम की युवा सभा आयोजित की गई, जिसमें लगभग 6,000 युवाओं की भारी भीड़ उमड़ी। भाई मोहन सी. लाजरस ने "युसूफ - एक फलदायक बेल" विषय पर वचन दिया, जिससे युवाओं को पुनर्जागृति के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। उन्होंने उनके लिए प्रार्थना की और उन्हें सशक्त बनाकर और परमेश्वर के उद्देश्य के साथ जोड़कर भेजा।

सारी महिमा सिर्फ परमेश्वर को मिले!

मीडिया मिनिस्ट्री

जीसस रिडीम्स यूथ मिनिस्ट्री के ज़रिए, कई तरह विशेष, युवाओं पर केन्द्रित प्रोग्राम—जिसमें आराधना, कॉन्सर्ट, गवाहियाँ, शॉर्ट फिल्में, कनवुपाथाई (सपनों का रास्ता), उन्मैयाई थेरिंजुक्को (सच जानो), और ब्रदर मोहन सी. लाजरस के खास सन्देश शामिल हैं—हर हफ़्ते जीसस रिडीम्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और सत्यम टीवी पर ब्रॉडकास्ट किए जाते हैं।

(हर शनिवार सुबह 6:30 बजे सत्यम टीवी पर और सुबह 7:00 बजे जीसस रिडीम्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होता है।)

पिछले साल, "वर्शिप एंड एनकाउंटर," "डिबेट-डिस्कशन टॉक शो," और "फुटप्रिंट्स ऑफ रिवाइवल" जैसे दिलचस्प प्रोग्राम नए सिरे से शुरू किए गए, जिसका मकसद युवाओं तक सुसमाचार पहुंचाना और बेदारी की आग फैलाना था। अकेले 2025 में, इन प्रोग्राम्स ने हज़ारों दर्शकों तक पहुंचकर उन्हें आशीष दिया।

हर महीने, अंतिम रविवार को, "रिवाइवल इग्नाइटर्स" प्रोग्राम लाइव स्ट्रीम किया जाता है, जिससे लगभग 10,000 युवाओं को आशीष मिलती है। जिन महीनों में पांचवां रविवार होता है, उन महीनों में यह प्रोग्राम कन्नड़ और हिंदी में भी ब्रॉडकास्ट किया जाता है, जिससे इसकी पहुंच और भी बढ़ जाती है।

सारी महिमा सिर्फ़ परमेश्वर को मिले!

"आइए, हम प्रार्थना करें!"

जनवरी 2026

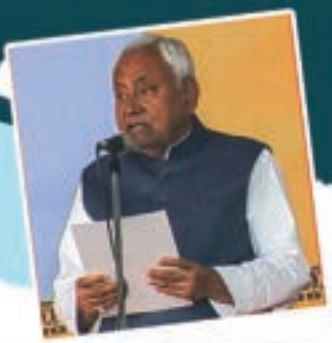

आइए हम श्री नीतीश कुमार के लिए प्रार्थना करें, जिन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में 10वीं बार पद संभाला है, और 26 कैबिनेट मंत्रियों के लिए भी प्रार्थना करें - कि परमेश्वर की सुरक्षा उन पर बनी रहे और उनका शासन ज्ञान और सच्चाई से भरा हो।

युद्धविराम के करीब पहुंचने के बाद, गाजा में इज़राइली हमलों में अब तक कथित तौर पर 280 लोगों की जान चली गई है। आइए हम इस लंबे संघर्ष के खत्म होने और शांति कायम होने के लिए पूरी लगन से प्रार्थना करें।

एशिया और अफ्रीका में रेबीज के 97% मामले कुत्तों के काटने से फैलते हैं, जिससे हर साल लगभग 60,000 लोगों की जान चली जाती है। आइए हम लोगों को रेबीज वाले कुत्तों के हमलों से बचाने और प्रभावी रोकथाम उपायों के लिए प्रार्थना करें।

इंडोनेशिया में भूस्खलन में 18 लोगों की जान चली गई है, और 34 लोग अभी भी लापता हैं। कई लोग 10 से 25 फीट गहरे मलबे के नीचे फंसे हुए थे। आइए हम प्रार्थना करें कि दुखी परिवारों को सांत्वना और बल मिले।

दो महीने पहले, नाइजीरिया में आतंकवादियों ने 25 मसीहियों को मार डाला था। आइए हम परमेश्वर से प्रार्थना करें कि नाइजीरिया में मसीहियों पर अत्याचार और हत्याएं बंद हों।

पिछले 10 सालों में, दिल्ली में लगभग 1,841,84 बच्चे लापता हो गए हैं, और लगभग 50,771 बच्चों का अभी भी पता नहीं चला है। 12-18 साल के बच्चे सबसे ज़्यादा प्रभावित हैं, जिनमें लड़कियों के लापता होने के मामले ज़्यादा हैं।

अकेले जनवरी से अक्टूबर 2025 के बीच 14,828 बच्चों के लापता होने की सूचना मिली थी। आइए हम भारी मन से इन बच्चों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना करें।

नई दिल्ली भारत का सबसे ज़्यादा वायु प्रदूषित शहर है। भारत में वायु प्रदूषण 50% औद्योगिक उत्सर्जन, 27% वाहनों के उत्सर्जन, 17% फसल अवशेष जलाने और 7% खाना पकाने के ईंधन के कारण होता है। भारत में हर साल वायु प्रदूषण के कारण लगभग 17 लाख लोगों की मौत हो जाती है। आइए हम वायु प्रदूषण से सुरक्षा के लिए और सरकार से उन उद्योगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए प्रार्थना करें जो अत्यधिक प्रदूषक उत्सर्जित करते हैं।

8.2 अरब लोगों की दुनिया में, हर साल सड़क हादसों की वजह से लगभग 13.5 लाख लोगों की जान चली जाती है, जिसमें मरने वालों की संख्या में भारत पहले नंबर पर है।

आइए प्रार्थना करें कि सड़क हादसों को पूरी तरह से रोका जा सके और लोगों की जान सुरक्षित रहे।

2025 में, भूकंप और प्राकृतिक आपदाओं में हजारों लोगों की जान चली गई - तिब्बत में 126, म्यांमार में 5,456, अफगानिस्तान में 600 से ज़्यादा, बांग्लादेश में 6 और फिलीपींस में 31। आइए प्रार्थना करें कि परमेश्वर इस साल हमें ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से बचाए। ***आइए प्रार्थना में एक साथ आएं, परमेश्वर पर भरोसा रखें कि वह हस्तक्षेप करेंगे, हमारी रक्षा करेंगे और हमारी दुनिया में चंगा करेंगे।***

अंतर-राज्य सेवकाइयाँ

परमेश्वर की प्रचुर अनुग्रह से, वर्ष 2025 में उत्तर भारत—कोलकाता, बिहार और पुणे—में सामर्थ्यशाली युवा जागृति सभाएँ और सुसमाचार प्रचार अभियान आयोजित हुए। इन परमेश्वर-निर्धारित सभाओं के माध्यम से लगभग 2,102 युवा मसीह में दृढ़ हुए और अपने-अपने क्षेत्रों में नई प्रतिबद्धता के साथ लौटे, ताकि वे उठें, चमकें और अपनी स्थानीय कलीसियाओं व समुदायों में सक्रिय रूप से परमेश्वर की सेवा करें।

उत्तर भारत भर में परमेश्वर युवा विश्वासियों की एक पीढ़ी को खड़ा कर रहा है, उनके जीवनों के द्वारा जागृति की आग प्रज्वलित कर रहा है और उन्हें अपनी परिवर्तनकारी सामर्थ्य के वाहक के रूप में उपयोग कर रहा है।

कर्नाटक के बेंगलुरु में आयोजित एक जीवंत युवा जागृति सभा के द्वारा हमें लगभग 309 युवाओं से जुड़ने का अवसर मिला, जबकि आंध्र प्रदेश में परमेश्वर ने अनुग्रहपूर्वक लगभग 900 युवाओं की सेवा करने के लिए द्वार खोले।

इन सभाओं के द्वारा स्पर्श किए गए और सामर्थ्य पाए हुए युवा
अब नियमित रूप से मासिक संगति सभाओं में भाग ले रहे हैं, उत्साह के साथ सेवकाई में संलग्न हैं, और अपने-अपने क्षेत्रों में परमेश्वर के लिए प्रभाव डाल रहे हैं।

Revival IGNITERS
संपर्क संख्या : +919750955548
YouTube Jesus Redeems - Hindi

Comforter
www.comfortertv.com

युवा जीवन

यीशु उद्धार करता है युवा तंबू के माध्यम से "युवा जीवन" नामक मासिक पत्रिका तमिल, अंग्रेज़ी, हिंदी, मलयालम, तेलुगु, कन्नड़ और बांग्ला भाषाओं में प्रकाशित की जा रही है।

हर महीने प्रकाशित होने वाली युवा जीवन पत्रिका को आप प्राप्त करना चाहते हैं तो किस भाषा में चाहिए, उस भाषा के सामने टिक करके उस भाग का फोटो लेकर अपनी स्पष्ट पता विवरण के साथ हमें व्हाट्सऐप करें।

+91 9750955548 youth@jesuredeems.org

अचीवर्स रिपोर्ट

प्रति वर्ष, जनवरी और फरवरी के दौरान विशेष अचीवर्स सभा सिर्फ़ उन छात्रों के लिए आयोजित की जाती हैं जो अपनी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे होते हैं। परमेश्वर के अनुग्रह से, हम पिछले वर्ष भी तमिलनाडु, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में ये सभाएँ आयोजित कर पाए।

ऐसे समय में जब कई छात्र परीक्षा के डर से परेशान थे और स्वयं पर शक कर रहे थे, इन सभाओं ने उन्हें पढ़ाई के लिए सही मार्गदर्शन, मेडिकल सुझाव, प्रेरक परामर्श और आध्यात्मिक प्रोत्साहन दिया। प्रत्येक छात्र के लिए व्यक्तिगत प्रार्थना की गई और उन्हें दिल और दिमाग से मज़बूत करके वापस भेजा गया।

2025 में हुई 15 अचीवर्स सभाओं के माध्यम से, लगभग 7,487 छात्रों को बहुत आशीष मिली।

सारी महिमा सिर्फ़ परमेश्वर को मिले!

समाचार

किशोर अपराध के मामले

न्याय में देरी का मतलब न्याय से इनकार नहीं होना चाहिए

इंडिया जस्टिस रिपोर्ट द्वारा जारी चौंकाने वाले आंकड़ों से पता चलता है कि 31 अक्टूबर, 2023 तक, पूरे भारत में 302 किशोर न्याय बोर्ड (JJBs) के सामने लंबित एक लाख से ज़्यादा मामलों में से 50% से ज़्यादा मामले अभी भी अनसुलझे हैं। यह जानकारी 21 राज्यों में दायर लगभग 250 सूचना के अधिकार (RTI) आवेदनों के माध्यम से प्राप्त की गई थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि न्याय प्रणाली के चार स्तंभ—पुलिस, जेल, अदालतें और कानूनी सेवाएं—बाल कल्याण से संबंधित मामलों में कैसे काम करते हैं, इसमें गंभीर कमियां हैं।

चूंकि 18 साल से कम उम्र के बच्चों को वयस्कों की तरह जेल में नहीं डाला जा सकता, इसलिए कानून का उल्लंघन करने वाले किशोरों के लिए ऑब्जर्वेशन होम स्थापित किए गए थे। 2012 के कुख्यात निर्भया गैंगरेप मामले में, आरोपियों में से एक किशोर था और उसे रिहा करने से पहले एक ऑब्जर्वेशन होम में भेजा गया था, जिससे बड़े पैमाने पर जनता में आक्रोश फैल गया था। इससे महत्वपूर्ण सुधार हुए और किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 लागू हुआ। इस कानून में किशोर अपराधियों के लिए त्वरित सुनवाई और समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर जिले में किशोर न्याय बोर्ड स्थापित करने का प्रावधान किया गया। हालांकि, कानून लागू होने के एक दशक बाद भी, यह तथ्य कि कई बच्चे समय पर न्याय के बिना पीड़ित हैं, गंभीर जांच की मांग करता है।

हालांकि भारत के 765 जिलों में से 92% में अब किशोर न्याय बोर्ड हैं, फिर भी न्याय वितरण में असमानताएं बनी हुई हैं। कुछ राज्यों में मामलों का लंबित होना चिंताजनक रूप से अधिक है—ओडिशा में 83% और कर्नाटक में 35%। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि चार में से एक JJB में सदस्यों की पूरी संख्या नहीं है, और 30% में उचित कानूनी सहायता की व्यवस्था नहीं है। नतीजतन, प्रत्येक JJB पर सालाना औसतन 154 मामलों का बैकलॉग है। अपर्याप्त डेटा दस्तावेज़ीकरण और धन की पुरानी कमी बच्चों के लिए न्याय तक पहुंच को और जटिल बनाती है।

कानून के तहत, 16 साल से अधिक उम्र के किशोर जिन पर हत्या या यौन उत्पीड़न जैसे जघन्य अपराधों का आरोप है, उन पर वयस्कों की तरह मुकदमा चलाया जा सकता है—लेकिन केवल तभी जब किशोर न्याय बोर्ड उचित मूल्यांकन के बाद ऐसा तय करे। 2023 के अपराध आंकड़ों के अनुसार, भारतीय दंड संहिता और विशेष स्थानीय कानूनों के तहत 31,365 मामलों में 40,036 किशोरों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। इनमें से तीन-चौथाई से ज़्यादा किशोर 16-18 साल के उम्र दायरे में आते हैं। JJB के सामने केस बढ़ते जा रहे हैं, जिससे इन बच्चों को न्याय मिलने का इंतज़ार और लंबा होता जा रहा है।

न्याय देने वाली संस्थाओं के बीच तालमेल की कमी और सही रिकॉर्ड रखने में लापरवाही ने किशोर न्याय को बहुत कमज़ोर कर दिया है। इन सिस्टम की कमियों को बिना किसी देरी के ठीक करना - और बच्चों की सुरक्षा और देखभाल के लिए बिना किसी समझौते के स्टैंडर्ड पक्का करना - केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी है।— 27 नवंबर, द हिंदू तमिल दिसई

स्कूल और कॉलेज आउटरीच

परमेश्वर के अनुग्रह से हमें आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु के दक्षिणी राज्यों में लगभग 79 स्कूलों और कॉलेजों में जाने का मौका मिला। इन मुलाकातों के दौरान, हमने छात्रों के साथ यीशु का प्रेम बांटा, शिक्षा की ज़िंदगी बदलने वाली सामर्थ के बारे में बात की, और उन लोगों को उत्साहित किया जो अपनी पढ़ाई में संघर्ष कर रहे थे। प्रोत्साहन, प्रैक्टिकल गाइडेंस और हृदय से की गई प्रार्थना के ज़रिए, कई छात्र अपनी सीमाओं से ऊपर उठने और बड़े सपने देखकर सफल बनने के लिए प्रेरित हुए।

सिर्फ़ इस साल, परमेश्वर ने हमारे लिए **21,677** छात्रों तक पहुँचने और उनके साथ यीशु का प्रेम साझा करने का रास्ता बनाया, जिससे उनकी ज़िंदगी को छुआ और उम्मीद और मकसद के साथ उनके भविष्य को आकार दिया।